प्राचीन काल से ही पृथ्वी पर रही है विज्ञान की भूमिका

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

पिलानी. पृथ्वी पर प्राचीन काल से ही विज्ञान की भूमिका किसी न किसी रूप में उपस्थित रही है। समय एवं परिस्थितयों के अनुसार इस के स्वरूप में परिवर्तन होता रहा है। यह कहना वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआइआर) महानिदेशक एवं भारत सरकार के सचिव डा. शेखर सी माण्डे का । डा. माण्डे रविवार को पिलानी स्थित केन्द्रीय इलेक्ट्रोनिक अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी) में वैज्ञानिक समुदाय को समबोधित कर रहे थे।

डा. माण्डे ने कहा कि आजादी से पूर्व में सीएसआइआर से जो अपेक्षाएं थी। उनमें आज बदलाव आया है। उन्होंने देश के वैज्ञानिकों द्वारा समय समय पर किए गए वैज्ञानिक अनुसंधानों को रेखांकित करते हुए इनके बल पर विश्व में भारत की बढ़ती साख पर खुशी जताई। उन्होंने युवा वैज्ञानिकों से मानव अपेक्षाओं के अनुरूप नवीन अनुसंधान कर समाज को नई दिशा देने की अपील की।

इससे पहले सीरी संस्थान निदेशक प्रो. शांतनु चौधरी ने स्वागत भाषण करते हुए कार्यक्रम के आयोजन पर प्रकाश डाला तथा सीरी संस्थान में संचालित शोध परियोजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस मौके डा. माण्डे द्वारा कौशिका विज्ञान डीएनए फिंगर प्रिंटिंग तथा जैव विज्ञान के क्षेत्र में दिए गये योगदान से जुड़ी जानकारी भी दी। वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआइआर) का कार्य भार ग्रहण करने के बाद औपचारिक दौरे पर आए सीएसआईआर निदेशक डा. शेखर सी माण्डे ने संस्थान की प्रयोगशालाओं का निरीक्षण करते हुए दिशा निर्देश दिए। महानिदेशक डा. माण्डे ने शोध साइबर फिजिकल सिस्टम्स, स्मार्टसेंसर्स एवं माइक्रोवेव डिवाइसेज सहित प्रयोग शालाओं से जुड़ी जानकारी लेते हुए बेहतर इस्तेमाल कर देश के विकास में योगदान करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. राजसिंह,डा. एस अली अकबर सहित संस्थान से जुड़े वैज्ञानिकों ने भाग लिया।